तेरे नाम दी कंठी माला, तेरे नाम दा ओड़ दुषाला बन गयी योगन साईं तेरी, तेरे दर पे डेरा डाला

तेरे नाम दी कंठी माला,
तेरे नाम दा ओड़ दुषाला ।
बन गयी योगन साईं तेरी,
तेरे दर पे डेरा डाला ॥

तेरे नाम दी कमली औड,
साईं रे मैं तो योगन बन गई ।
सारी दुनिया से नाता तोड़,
साईं रे मैं तो योगन बन गई ॥

दुनिया मुझ को ताने
दे या अपने गले लगाए ।
करती हूँ स्वीकार मेरे
मन साईं सलोने भाए ।

लिया प्रेम दा बंधन जोड़,
साईं रे मैं तो योगन बन गई ॥
तेरे सिवा ना कोई दूजा

भाता हैं आँखों को ।

तेरे नाम दा सुमिरन करके
चैन मिले साँसों को ।
जीने ना पाउंगी तुझको छोड़,
साईं रे मैं तो योगन बन गई ॥

कौन है अपना कौन पराया,
जान गई हूँ साईं ।
तू है अपना जग है पराया
मान गई हूँ साईं ।

यह मोह की मटकी फोड़,
साईं रे मैं तो योगन बन गई ॥
हीरे मोती रतन अमोलक

कुछ नहीं मुझको लेना ।
रुपया पैसा सोना चांदी
इस जग को दे देना ।

Source:
https://www.bharattemples.com/tere-naam-di-kamli-aud-sai-re-main-to-yogan-ban-gayi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw